(च) एक तीसरा आदमी भी है

जो न रोटी बेलता है, न रोटी खाता है

वह सिर्फ़ रोटी से खेलता है

मैं पूछता हूँ –

यह तीसरा आदमी कौन है?

मेरे देश की संसद मौन है।

★★★

2024

M.A. 2nd Semester Examination

HINDI

PAPER : HIN-201

(आधुनिक काव्य–2)

Full Marks : 40

Time : 2 hours

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

Illustrate the answers wherever necessary.

Answer all questions.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) नई कविता की विशेषताओं के आधार पर अज्ञेय के काव्य का मूल्यांकन कीजिए। अज्ञेय संपादित किन्हीं दो पत्रिकाओं के नाम बताइए।

(ख) 'अंधेरे में' कविता का मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। यह कब और किस संग्रह में प्रकाशित हुई?

(ग) पठित कविताओं के आधार पर नागार्जुन की प्रगतिशील चेतना पर प्रकाश डालिए। नागार्जुन को किस रचना के लिए और कब साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला?

(घ) शमशेर बहादुर सिंह को 'कवियों का कवि' कहा जाता है। आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं? शमशेर बहादुर सिंह के किन्हीं दो काव्य-संग्रहों के नाम बताइए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×4=20

(क) श्रेय नहीं कुछ मेरा :

मैं तो डूब गया था स्वयं शून्य में–
वीणा के माध्यम से अपने को मैंने
सब कुछ को सौंप दिया था–

(ख) वह चला गया है,

वह नहीं आएगा, आएगा ही नहीं
अब तेरे द्वार पर।
वह निकल गया है गांव में शहर में!
उसको तू खोज अब
उसका तू शोध कर
वह तेरी पूर्णतम परम अभिव्यक्ति,

(ग) जो मैं हूँ–

मैं कि जिसमें सब कुछ है....

क्रांतियां, कम्यून,

कम्यूनिस्ट समाज के

नाना कला विज्ञान और दर्शन के

जीवंत वैभव से समन्वित

व्यक्ति मैं।

(घ) सत्य स्वयं घायल हुआ, बने विनोबा मूक

धन्य-धन्य वह, धन्य वह, शासन की बंदूक

(ङ) राष्ट्रगीत में भला कौन वह

भारत-भाग्य-विधाता है

फटा सुथन्ना पहने जिसका

गुन हरचरना गाता है